प्रश्न 7. चिन्तन - प्रवाहमे संकलित 'विनय' शीर्षक कविताक भाव स्पष्ट करू।

उतर - *चिन्तन - प्रवाह कँ कवि रक रचनाकार छथि। डॉक्टर धीरेन्द्र नाथ मिश्र । डॉक्टर नाथ भाषाशास्त्र छथि । कथाकार आ आब कविक रूपमे सेहो स्थापित करबाय प्रयासमे पुस्तकाकार रूपमे चिन्तन - प्रवाह प्रथम पुष्प थिक ।डॉ0 मिश्र विस्वविधालय आचार्य सम्प्रति पाठाक स्नातकोतर मैथिली विभागाध्यक्ष छथि। हम सतत कर्तव्यपरायण बनल रही , सत्य निषठा मार्ग पर चलैत रही सैह कामना अछि । हे ईस्वर हमर जीवन*

सरिताक दून् कोर सतत् सुद्रिढ रहय से प्रार्थना अछि ।

भारत जननी के हम मिशाल

हो शान्ति - स्नेह सँ दीप्त भाल ।

आतप आपत केर सहन हेतु

अहाँ क्षमा - दान केर दी बरू ॥

हे जगत जननी माता , हमर जननी भरत माता कँ हम, मशाल बनि जाहि सँ सतत् शान्ति आ स्नेहक वातावरण भारत भूमि पर बनल रहय ।जाहिसँ भारत माताक भाल सतत् उच्च आ दीप्त रहनि । सभ आफत -

आसमानि कँ सहबाक सम्बल दिअ । कोनो अप्राध पर अहाँ क्षमादानक वरदानी बनू।

पुष्पित - पल्लवित भारत भूमि पर दुश्मनक वक्र द्रिष्टि अछि । तँ हे माता सम्पूर्ण भारतीय जन पर अमृतक बृष्टि करू । यैह विनय हमर वछि । जकरा स्वीकार करू ।